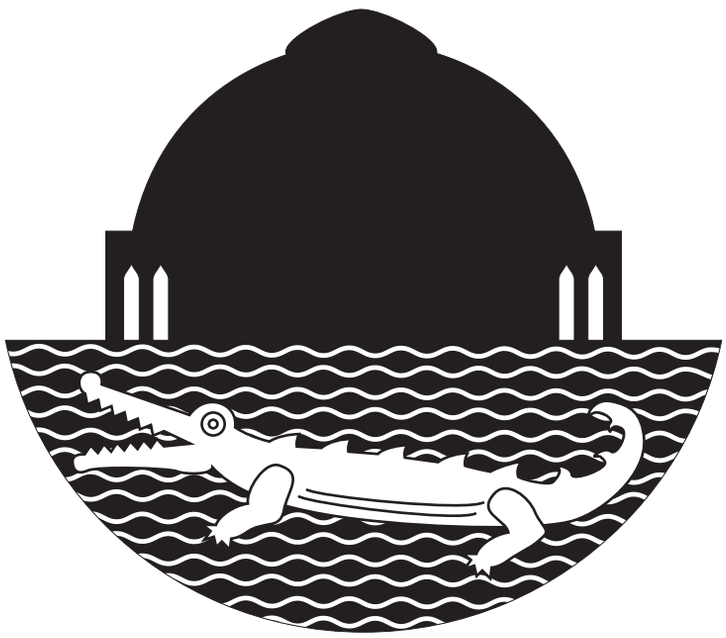

शम्सी तालाब में आ गया मगरमच!

जो कूड़ा फैलाएगा, उसको मगरमच खाएगा

अपने प्यारे मगरमच से बात करने के लिए
शमसी तालाब के किनारे आ कर
इस नम्बर पर फोन लगाएं

8860622341

और देखें उसका
चमतकार!!!

निर्माताः
विशाल रौले
फोनः **9953996123**
www.hauz-i-shamsi.in

आ गई फूल वालों की सैर

ख़ल्कुल्लाह क्यों ख़रोशाँ है
आज क्या सैर-ए-गुलफ़रोशाँ है
बहलियों यक्कों का इक ताँता है
जिसको देखो वो कुतब जाता है
भाई जग्गु के है सर पर दुकान
जाके महरौली में बेचेगा पान
मियाँ गुफ़ूर भी इस मेले पर
लाए हैं सारा कुनबा ठेले पर
पा पियादों के देखिए बूते
लिए हुए हैं बग़ल में जूते
अब आया क़स्बे का मीना बाज़ार
सजी सजाई दुकानों की क़तार
हरेक दुकान में भरा है माल
मिठाइयों के चुन रहे हैं थाल
नाशपाती, अनार और अमरूद
कहीं कढ़ाई में चढ़ा है दूध
बेचता है कोई बुढ़िया के बाल
सेव बेसन के और चने की दाल
कबाक-ए-सीख़ भुन रहे हैं कहीं
लोग क़व्वाली सुन रहे हैं कहीं
नाच गाने हरइक मकान में हैं
इत्र के फोए सबके कान में हैं
वाम पर है नवाब मोटे से
नै पकड़ ली उन्होंने कोठे से
आए बाज़ार में गिरधारी लाल
तोंद इतनी है कि दुश्वार सँभाल
रईस हैं यह हाल हैं पल्ले
खरीदते हैं अँगूठी छल्ले
हँसी मज़ाक का अजब है तौर
चल रहा है शराब-ए-नाब का दौर
बोतल इक और आने वाली है
नवाब पुतली गाने वाली है